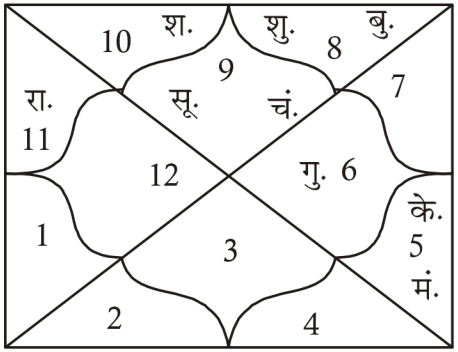

7. उपर्युक्त कुण्डली में व्यापार की सम्भावनाओं को स्पष्ट कीजिए।

8. उपर्युक्त कुण्डली में सूर्य ग्रह के कारकत्व को स्पष्ट कीजिए।

9. उपर्युक्त कुण्डली में कालसर्प योग के विचार को समझाइए।

10. कुण्डली में मंगलविचार पर एक लेख लिखिए।

CIJ–03

December – Examination 2021

Certificate in Phalit–Jyotish Examination

फलित ज्योतिष में प्रमाण-पत्र

Paper : CIJ-03

प्रायोगिक पेपर

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **5×4=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1.

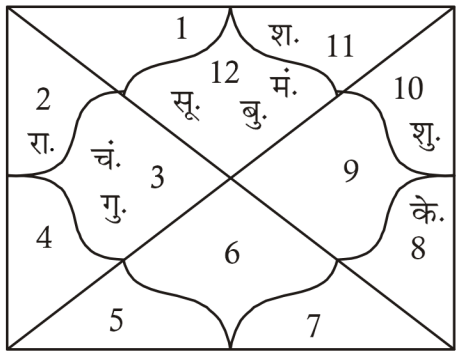

(i) उपर्युक्त कुण्डली में राशि क्या है ?

(ii) उपर्युक्त कुण्डली वाले जातक का लग्न क्या है ?

(iii) उपर्युक्त कुण्डली में शुक्र किस ग्रह को पूर्ण दृष्टि से देख रहा है ?

(iv) उपर्युक्त कुण्डली में कौनसा योग बन रहा है ?

(v) मंत्री ग्रह कौनसे हैं ?

(vi) मंगल किन राशियों का स्वामी ग्रह है ?

(vii) ज्योतिष के तीन स्कन्धों के नाम लिखिए।

(viii) चर एवं स्थिर नक्षत्र में क्या अन्तर है ?

(ix) पूर्व दिशा में कब यात्रा करनी चाहिए ?

(x) भभोग साधन सूत्र को लिखिए।

खण्ड—ब 4×20=80

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

लग्न सुबह 6:30 बजे

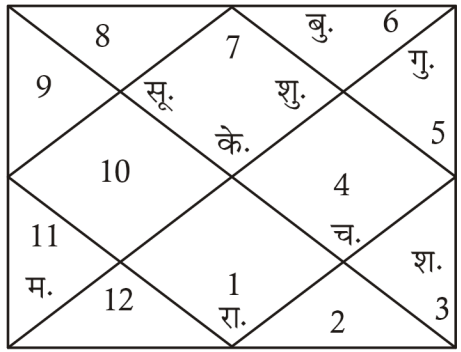

2. उपर्युक्त कुण्डली में प्रातः दोपहर सायं एवं रात्रि लग्न को स्पष्ट कीजिए।

3. उपर्युक्त कुण्डली में एकादश भाव का फलादेश कीजिए।

4. उपर्युक्त कुण्डली की आजीविका पर विचार कीजिए।

5. उक्त कुण्डली में मंगल ग्रह का फलादेश कीजिए।

6. किसी बालक का जन्म 14 जनवरी, 2004 को 3 बजकर 20 मिनट सायंकाल को कोटा में हुआ, तो लग्न निकालिए।